थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

वर्ष २३ अंक २८६ वि.सं. २०८३ बैशाख ३१ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 14 May 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पढ़े सेक्बी ।

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

असन्तुलित उत्खननसे जोखिम बढ़्टी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । कर्णाली लडियामे हुइटी रहल असन्तुलित उत्खननसे कैलाली ओर जोखिम बढ़्टी रहल बा । एकओर किल हुइटी रहल उत्खननके कारण कैलालीके लम्कीचुहा नगरपालिका, टीकापुर नगरपालिका ओ जानकी गाउँपालिका ओर जोखिम बढ़्ल हो ।

लडियाके औरे ओर बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जके क्षेत्र परल कारण ओँहर नदीजन्य वस्तु उत्खननमे प्रतिबन्ध लगाइल बा । कैलालीओर भर बर्सेनि उत्खनन होके कर्णाली लडियाके मोहरा पश्चिमओर अइट रहल बा ।

एकाओर उत्खननमे प्रतिबन्ध लगाइल ओ औरेओर मापदण्डसे ढेर परिमाणमे हुइटी रहल उत्खननसे जोखिम बढ़्ल डिभिजन वन कार्यालय टीकापुरके वन अधिकृत दिलीप यादव बटैलै । उहाँ कहलै, "निकुञ्जके छुट्टे नियम रलेसे फेन सरकारसे निर्णय करलमे डुनु ओर मापदण्ड अनुसार उत्खनन कैके सन्तुलन मिलाइ सेकजाइठ् । अटरा नैकैलेसे जानकी गाउँपालिका ओ टीकापुर नगरपालिकाके भविष्य ढेर खतरामे परे सेकठ् ।"

चालु आर्थिक बरसमे फेन विगत बरस जस्टे टीकापुर नगरपालिका, जानकी गाउँपालिका ओ लम्कीचुहा नगरपालिका कैके तिनु पालिकासे नदीजन्य पदार्थ उत्खननके् लाग ठेक्का डेले बटै । टीकापुर ओ जानकीमे १० ठो घाटसे इ बरस एक लाख २४ हजार १५८.२३ घनमिटर ढुङ्गा, गिट्टी, बालु उत्खनन करजैना जनाइल बा ।

जानकी गाउँपालिकासे किल छ ठो घाटसे ८० हजार घनमिटर नदीजन्य पदार्थ उत्खननके लाग ठेक्का डेहल पूर्वाधार शाखा प्रमुख योगेन्द्र शाही जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार तीन/तीन प्याकेज बनाके दुईठो ठेक्का करल बा ।

ओस्टके टीकापुर नगरपालिकासे ४४ हजार १५८.२३ घनमिटर नदीजन्य पदार्थ उत्खनन करक लाग चार घाटहे दुई प्याकेज बनाके ठेक्का डेहल बा । दुई घाटके एक प्याकेज बनाइल राजस्व शाखाके नन्द केसी जानकारी डेलै । टीकापुरके वडा नं. ५ शाहीपुर घाटसे तीन हजार ३०२.५२ घनमिटर, वडा नं. ७ के पुरान मसानघाटसे २० हजार ८१८.३५ घनमिटर नदीजन्य पदार्थ उत्खननके लाग एकठो प्याकेज बनाके ठेक्का लगाइल बा । ओस्टके वडा नं. ५ के दौलतपुर मसानघाटसे छ हजार ९३२.६४ घनमिटर, वडा नं. ८ के सत्ती वनगाउँघाटसे १३ हजार १०४.७२ घनमिटर नदीजन्य पदार्थ उत्खननके लाग डोसर प्याकेज बनाके ठेक्का लगाइल बा ।

लम्कीचुहा नगरपालिकासे भर कर्णाली लडिया, धोबिनीखोला ओ गोरंगे खोलुवाके एक प्याकेज बनाके ठेक्का डेहल बा । इ प्याकेजसे ७० हजार दुई सय घनमिटर नदीजन्य पदार्थ उत्खनन हुइना लम्कीचुहा नगरपालिकाके राजस्व शाखाके जीवन न्यौपाने जानकारी डेलै । इ पालिकासे कर्णालीके नदीजन्य पदार्थ बिक्री करेबर आम्दानीसँगे जोखिम फेन बढ़्टी रहल बा । एकाओर उत्खनन हुइटी रहना ओ औरे ओर उत्खनन नै नैहुइना परिपाटीसे एक दशकमे कर्णाली लडिया लम्कीचुहा नगरपालिकाके*(बाँकी ३ पेजमे)*

शाह प्यानल घोषणा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । नवजीवन सहकारी संस्थाके ३२ औं चुनावी बार्षिक साधारण सभामे संचालक समिति अध्यक्ष पदके उम्मेदवार घनबहादुर शाह आपन ८ बुँदे प्रतिबद्धता पत्रसहित प्यानल घोषणा करले बटै ।

मिडियाकर्मी समेत रहल अध्यक्ष पदके उम्मेदवार शाह कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके पूर्व अध्यक्ष समेत हुइट । ओस्टके उहाँ नवजीवन सहकारी संस्थाके २ कार्यकाल सञ्चालक समितिमे फेन रहीचुकल बटै । ओहकान प्यानल ओर उपाध्यक्ष पदके उम्मेदवार ईश्वर प्रसाद जोशी रहल बटै । उपाध्यक्ष पदके उम्मेदवार जोशी ग्रामीण विकास बैंकमे अधिकृतके रुपमे १२ बरसके अनुभव, नवजीवन सहकारीके पूर्व उपाध्यक्ष समेत हुइट ।

शाह प्यानलके सदस्य पदके उम्मेदवारमे क्रमशः दिर्घ बहादुर शाह, धनञ्जय भट्ट, पवित्रा धित्त पाण्डेय, लक्ष्मी नारायाण चौधरी, विक्रम विश्वकर्मा, विश्वनाथ ओझा ओ शिव कुमार जोशी फुलारा रहल बटै ।

शाहके प्रतिवद्धता पत्रमे संस्थाके हरेक गतिविधी पूर्ण रुपमे पारदर्शी बनैना, सदस्य केन्द्रित सेवा विस्तार, सुशासन ओ उत्तरदायित्व, क्षमता विकास, मोवाइल वैकिंग, उत्पादन ओ रोजगारी, सामाजिक उत्तरदायित्व ओ वित्तिय साक्षरता अभियान रहल बावै ।

अइना जेठ ९ गते हुइना सहकारी संस्थाके ३२ औं चुनावी बार्षिक साधारण सभाके लाग केशव राज मिश्र नेतृत्वके समूहसे १५ बुँदे प्रतिवद्धतापत्र सहित प्यानल घोषणा करसेकल बा । ओस्टके उहीसे आघे अध्यक्षके उम्मेदवार गोपालराज पाठकके समूहसे ९ बुँदे प्रतिबद्धता पत्र सार्वजनिक कैके आपन प्यानल घोषणा करसेकल बा ।

अपाङ बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापन केन्द्र संचालन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । कैलाली जिल्लाके धनगढी उपमहानरपालिका–७ देवहरियामे अपाङ बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापन केन्द्र संचालनमे आइल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका ओ विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्र (एचआरडीसि) बनेपा, काभ्रेपलाञ्चोकके साझेदारीमे वडा नं. ७ देवरियामे सुरु हुइल सुदूरपश्चिम प्रदेश पुनर्स्थापना केन्द्रके बुधके रोज एक कार्यक्रमके विच उद्घाटन कैगिल हो ।

धनगढी उपहानगरपालिका वडा नम्बर ७ के वडा अध्यक्ष मोती रानाथारुके अध्यक्षतामे हुइल पुनर्स्थापना केन्द्र उद्घाटन कार्यक्रममे धनगढी उपहानगरपालिकाके नगर प्रमुख गोपाल हमाल, उप–प्रमुख कन्दकला कुमारी राना, विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्र (एचआरडीसि) के प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, उ अस्पतालके डाक्टरहुक्रे, बोर्डके पदाधिकारी तथा सदस्यहुक्रे ओ धनगढी उपमहानगरपालिकाके वडा अध्यक्षुक्रे, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत तथा टमान विषयगत शाखाके प्रमुखहुकनके सहभागिता रहे ।

गरीबीके रेखाटरे रहल तथा उपचार सेवाके पहुँचसे विमुख अपांगता हुइल बालबालिकाहुकनहे प्राथमिकताके साथ उपचार तथा पुनर्स्थापन सेवा पुगैना उद्देश्यसे वि.सं.२०४२ साल भदौसे संचालनमे आइल यी उपचार तथा पुनर्स्थापन कार्यक्रम वि.सं २०४८ (सन् १९९२) से विकलांग मित्र समुह (गैर सरकारी संस्था) पूर्ण जिम्मेवारी बहन करके अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्र मार्फत उपचार तथा पुनर्स्थापन कार्यक्रम संचालन करटी आइल विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्रके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत प्रकाश यादव बटैलै ।

उहाँ कहलै, विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्र बाल अपांगता व्यवस्थापनमे क्रियाशील मुनाफारहित, गैर राजनीतिक, गैर धार्मिक, जातीय भेदभाव रहितके संस्था हो । *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्वतन्त्र प्रेस, सबल लोकतन्त्र।

- अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता लोकतन्त्रको आधार हो,
- स्वतन्त्र, निष्पक्ष र जिम्मेवार पत्रकारिताको सम्मान गरौं,
- सञ्चारमाध्यमलाई दबाब, धम्की र हस्तक्षेपबाट मुक्त राखौं,
- सत्य, तथ्य र प्रमाणमा आधारित समाचारलाई प्राथमिकता दिऔं,
- गलत, भ्रामक, कुण्ठित भावना र अफवाहबाट टाढा रहौं,
- पत्रकारहरूको सुरक्षा र पेशागत स्वतन्त्रता सुनिश्चित गरौं,
- सूचना प्राप्त गर्ने जनताको अधिकारको सम्मान गरौं,
- प्रेसमाथि हुने आक्रमण र दमनको विरोध गरौं,
- सञ्चार क्षेत्रलाई पारदर्शी र जवाफदेही बनाऔं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

आवश्यकता

यी पहुरा दैनिकके लाग एक जाने बजार व्यवस्थापकके आवश्यकता परल ओरसे इच्छुक व्यक्तिनसे यी दैनिकके कार्यालयमे तुरुन्त सम्पर्कके लाग यी सूचना जारी करल बा ।

-शैक्षिक योग्यताः कक्षा १२ पास वा सोसराह ।
-कार्यालय व्यवस्थापन तथा विल काटे जन्नाह हुईपर्ना
-महिलाहुकनहे विशेष प्राथमिकता डेजाई ।
-तलब आपसी समझदारीमे डेजाई ।
सम्पर्क नम्बर ९८४८४२२२०७, ९८४८४९४५१८

पहुरा दैनिकके कार्यालय

धनगढी-८, शिवनगर पुल लग्गे
(नमस्ते कम्प्लेक्स भवन)

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सार्वजनिक प्रशासनमे नैतिकता

विचार
श्याम न्यौपाने

सार्वजनिक प्रशासन राज्यके उ आधारभूत ओ क्रियाशील संयन्त्र हो, उहिनसे सरकारके नीति, योजना ओ कार्यक्रमहे नागरिकके दैलोसम पुगैना सेतुके काम करठ । राज्य ओ जनताबिचके प्रत्यक्ष सम्बन्धके कडी फेन प्रशासन हो । देशके विकासके गति ओ सुशासनके वास्तविक मापन वहाँक प्रशासनिक संयन्त्र कत्रा नैतिक, निष्पक्ष ओ व्यावसायिक बा कना विषयसे निर्धारण करठ । सार्वजनिक सेवा प्रवाहमे भौतिक स्रोत ओ साधनके उपलब्धता रना किल पर्याप्त नाइहो, उ स्रोतके न्यायोचित ओ कुशल परिचालन करना मानव संसाधनमे कैसिन चारित्रिक विशेषता बा कना बाटसे राष्ट्रके भविष्य बनाइठ । सार्वजनिक प्रशासनमे नैतिकता केवल कानुन पालना वा कार्यविधिके औपचारिकता किल नाइहो यी टे एक प्रशासकके चरित्र, व्यवहार ओ कार्यशैलीमे प्रतिविम्बित हुइना उच्च मानवीय मूल्य ओ निष्ठाके समष्टिगत रूप हो । नेपाल जैसिन भौगोलिक जटिलता ओ सामाजिक विविधता रहल मुलुकमे, जहाँ राज्य संघीयतामार्फत शक्ति ओ स्रोतके तल्लो तहसम विकेन्द्रीकरण करले बा, वहाँ सार्वजनिक पद धारण करल व्यक्तिके नैतिक आचरण और ढेर अर्थपूर्ण ओ संवेदनशील बनल बा । नैतिकताके अभावमे जत्राफेन उत्कृष्ट ऐन–कानुन ओ प्रविधि भित्रैलेसे फेन उहिनसे नागरिकहे वास्तविक न्याय, अपनत्व ओ सेवाके अनुभूति कराइ नैसेकि ।

सार्वजनिक प्रशासनमे नैतिकताके सिद्धान्त विश्वव्यापी रूपमे मान्य बा, उमध्ये बेलायतके नोलन समिति प्रतिपादन करल सात सिद्धान्तहे विश्वभर सदाचारके प्रमुख मानक मानजाइठ । यी सिद्धान्तमे निःस्वार्थता, निष्ठा, वस्तुनिष्ठता, जवाफदेहिता, पारदर्शिता, इमानदारी ओ नेतृत्व परठ, उहिनसे प्रशासकहे एकडम यी स्मरण कराइठ कि उहाँहुक्रे प्रयोग करना शक्ति, समय ओ स्रोत कौनो निजी सम्पत्ति नैहोके जनतासे डेहल नासो हो । निःस्वार्थताके सिद्धान्तसे प्रशासकहे व्यक्तिगत, पारिवारिक वा समूहगत हितसे उप्पर उठके बृहत्तर सार्वजनिक हितके लाग काम करना प्रेरित करठ । नेपालके सन्दर्भमे सरकारी स्रोत–साधनके दोहन ओ नीतिगत भ्रष्टाचारके भारी चुनौती रहल परिप्रेक्ष्यमे जबसम कर्मचारीमे 'मै सेवा करे बैठल बटुँ, मेवा खाइ नाई' कना भावना जागृत नैहुइ तबसम प्रशासनिक नैतिकताके जग बलगर हुइ नैसेकि । सार्वजनिक निर्णय करेबेर वित्तीय वा अन्य भौतिक लाभके लालसा त्यागन निःस्वार्थताके कसी हो । नेपालके कर्मचारीतन्त्रमे राजनीतिक हस्तक्षेप ओ ओकर आगे 'लम्पसार' प्रवृत्ति एक दीर्घकालीन रोग बनल बा । कर्मचारी राजनीतिक दलके भ्रातृ संगठनमे आबद्ध हुइना, ट्रेड युनियनके नाममे राजनीतिक शक्ति आर्जन करना ओ सरुवा, बढुवाके लाग शक्तिकेन्द्र जैना प्रवृत्तिसे प्रशासनिक निष्ठाहे धुमिल बनाइल बा । निष्ठा ओ इमानदारीसे कर्मचारीहे बाह्य दबाब वा प्रलोभनमे नैपरके अपन कर्तव्यमे अडिग रहन ओ कौनो फेन निर्णय कैके स्वार्थ बाझलमे ओकर अग्रिम घोषणा करे सिखाइठ ।

प्रशासनमे वस्तुनिष्ठता ओ निष्पक्षतासे 'अपन मनै' से फेन 'योग्य मनै' ओ 'तथ्य' हे प्राथमिकता डेहेपरना बाटमे जोड डेहल । नेपाली समाजमे नातावाद, कृपावाद ओ 'अपन' हे संरक्षण करना प्रवृत्ति गहिरसँग जकरल बा । यिहिनसे योग्य व्यक्ति अवसरसे वञ्चित हुइना ओ पहुँचवाला लाभ लेना स्थिति बा यिहिनसे सामाजिक न्यायके उपहास करठ । निर्णय करेबेर कौनो फेन मेरिक पूर्वाग्रह, जाति, धर्म वा राजनीतिक आस्थाके आधारमे भेदभाव नैकैके केवल कानुन, प्रमाण ओ योग्यताके आधारमे कार्य करना नैतिक प्रशासनके पहिचान हो । आधुनिक सुशासनमे जवाफदेहिता ओ पारदर्शिता अपरिहार्य तत्व हो सार्वजनिक पदमे रहल व्यक्ति अपन करल प्रत्येक कार्य ओ लेहल निर्णयके लाग जनता, संसद् ओ कानुनप्रति उत्तरदायी हुइ परठ । नेपालमे ढिलासुस्ती ओ जिम्मेवारी पन्छैना प्रवृत्तिसे नागरिकहे आजित बनैले बा । पारदर्शितासे प्रशासनभित्रेक गुप्त क्रियाकलापहे जनताके नजरमे नानल ओ सूचनाके हक तथा डिजिटल प्रविधिके प्रयोगमार्फत भ्रष्टाचारके छिद्र बन्द करना मद्दत करठ । नेतृत्वके सिद्धान्तसे उच्च पदस्थ कर्मचारीहे रोल मोडेल बन्न मार्गनिर्देश करठ । यदि नेतृत्व तहमे रहल सचिव वा कार्यालय प्रमुख अपने अनुशासित नैहो कलेसे उहाँहुक्रे मातहतसे सदाचारके अपेक्षा करना निरर्थक रहठ ।

> सार्वजनिक प्रशासनमे नैतिकता कौनो सजावटके वस्तु वा भाषणके विषय किल नाइहो, यी टे राज्यके अस्तित्व जोगैना ओ लोकतन्त्रहे बलगर बनैना प्राणवायु हो । नेपालसे संघीयता कार्यान्वयनके चुनौतीपूर्ण मोडमे रहल बेला नागरिकके प्रत्यक्ष सम्पर्कमे रहना कर्मचारीके आचरण और ढेर अनुकरणीय हुइना जरुरी बा । प्रशासनहे जनमुखी, निष्पक्ष ओ भ्रष्टाचारमुक्त बनाइक लाग कर्मचारीके सोच ओ कार्यशैलीमे आमूल परिवर्तनके खाँचो बा । जबसम प्रशासकसे अपनहे शासक नाइहो, सेवक के रूपमे आत्मसात् नैकरठ ओ जनताके करसे मोर चुल्हा बरल बा कना बोध नैकरठ तबसम सुशासनके परिकल्पना अधुरे रहि । नैतिकतायुक्त प्रशासन समुन्नतिके आधारशिला बने सेकि । टबेमारे नैतिक सिद्धान्तहे केवल पाठ्यपुस्तक ओ कानुनके पानामे सीमित नैढैके दैनिक व्यवहारमे उटरना आजके मुख्य चुनौती ओ समाधान दुनु हो । प्रशासकके हातमे रहल कलमसे न्याय ओ सेवाके मसी छिटे सेक्लेसे किल नेपालके सार्वजनिक प्रशासनसे जनविश्वास आर्जन करे सेकल बा ।

नेपालसे एकात्मक राज्य प्रणालीसे संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रमे फड्को मारलसँगे सार्वजनिक प्रशासनके संरचना ओ अधिकारके दायरा फेन बदलल बा । अब्बे अधिकार ओ बजेट सिंहदरबारसे गाउँ गाउँके स्थानीय तहसम पुगल बा । मने यी विकेन्द्रीकरणसँगे भ्रष्टाचार ओ अनैतिकताके फेन विकेन्द्रीकरण हुइल आशंका करे लागल बा । स्थानीय तहमे जनप्रतिनिधि ओ कर्मचारीबिचके सम्बन्धमे डेखैना द्वन्द्व, उपभोक्ता समितिमार्फत हुइना काममे अनियमितता ओ सामाजिक सुरक्षा भत्तासे विकास निर्माणके योजनामे हुइना भागबन्डासे नैतिकताके प्रश्नहे और टड्कारो बनैले बा । संघीयताके सफलता कर्मचारीके सदाचारमे निर्भर करठ काहेकि जनता सरकारहे मिल्ना कलेक वडा कार्यालय वा पालिकामे हो । नेपालमे सार्वजनिक प्रशासनहे नैतिक बनैना संविधान, निजामती सेवा ऐन, भ्रष्टाचार निवारण ऐन ओ अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग जैसिन कानुनी ओ संस्थागत प्रयास रलेसे फेन मुख्य समस्या कार्यान्वयनके दृढ इच्छाशक्तिमे बा । कानुनी नैतिकतासे कर्मचारीहे दण्डके डरसे नियम पालना करे सिखाइठ । व्यक्तिगत नैतिकतासे मनैन्हे स्वस्फूर्त रूपमे सही डगरमे नेंगैना । नेपालके प्रशासनमे अब्बे यी दुनुके सन्तुलन आवश्यक बा जहाँ एकओर कानुन मिच्नाहे कडा कारबाही हुइ परठ कलेसे औरेओर इमानदार कर्मचारीहे राज्य सुरक्षा ओ सम्मानके प्रत्याभूति डेहे परठ ।

नेपालके प्रशासनमे नैतिकता कमजोर हुइनामे कुछ गहिर सामाजिक ओ संरचनागत कारण बा । दण्डहीनताके संस्कृतिसे भारी भ्रष्टाचारी राजनीतिक संरक्षणके कारण उम्कना ओ छोट कर्मचारी किल कारबाहीमे परल ओरसे नैतिकताके मूल्य कमजोर हुइल बा । समाजमे व्याप्त उपभोगवादी संस्कृतिसे धन ओ भौतिक सुखहे सफलताके मापन मन्ना प्रवृत्तिके कारण कर्मचारी वैध आम्दानीसे नैपुगके अवैध डगर रोज्न प्रेरित हुइठ । अत्यधिक राजनीतिकरणासे कर्मचारी अपन व्यावसायिक कर्तव्य बिस्राइल राजनीतिक कार्यकर्ताके रूपमे भूमिका निर्वाह करे लागल बा । इमानदार होके काम करलेसे हतोत्साहित करना, दुर्गममे सरुवा करना वा करिअरमे बाधा पुगैना डरसे टमान कर्मचारी 'मौन' वा 'मतियार' बन्ना करल बटैं । यी अवस्थाहे चिर्न सार्वजनिक प्रशासनहे नैतिकताके कसीमे खरो उटरना मूल्यमे आधारित शिक्षा ओ तालिम अनिवार्य बा । कर्मचारीहे सेवा अवधिभर नैतिक मूल्य ओ सदाचारसम्बन्धी 'रिफ्रेसर' तालिम डेहे परठ । स्वार्थके द्वन्द्वसम्बन्धी कडा कानुन ओ ओकर कडाइके साथ पालना, प्रविधिमे आधारित सेवा प्रवाह तथा पुरस्कार ओ दण्डके वास्तविक कार्यान्वयन आजके आवश्यकता हो । 'मजा करनाहे पुरस्कार ओ नैमजा करनाहे दण्ड' के सिद्धान्त व्यवहारमे उटरटि कार्यसम्पादन मूल्यांकनहे नैतिकतासँग जोरे परठ । साथे नागरिक समाज ओ सञ्चार माध्यमके सक्रियतामे सार्वजनिक सुनुवाइ ओ सामाजिक परीक्षण जैसिन नागरिक निगरानीके औजारहे प्रभावकारी बनाइ परठ ।

निष्कर्षमे कलेसे सार्वजनिक प्रशासनमे नैतिकता कौनो सजावटके वस्तु वा भाषणके विषय किल नाइहो, यी टे राज्यके अस्तित्व जोगैना ओ लोकतन्त्रहे बलगर बनैना प्राणवायु हो । नेपालसे संघीयता कार्यान्वयनके चुनौतीपूर्ण मोडमे रहल बेला नागरिकके प्रत्यक्ष सम्पर्कमे रहना कर्मचारीके आचरण और ढेर अनुकरणीय हुइना जरुरी बा । प्रशासनहे जनमुखी, निष्पक्ष ओ भ्रष्टाचारमुक्त बनाइक लाग कर्मचारीके सोच ओ कार्यशैलीमे आमूल परिवर्तनके खाँचो बा । जबसम प्रशासकसे अपनहे 'शासक' नाइहो, 'सेवक' के रूपमे आत्मसात् नैकरठ ओ 'जनताके करसे मोर चुल्हा बरल बा' कना बोध नैकरठ तबसम सुशासनके परिकल्पना अधुरे रहि । नैतिकतायुक्त प्रशासन समुन्नतिके आधारशिला बने सेकि । टबेमारे नैतिक सिद्धान्तहे केवल पाठ्यपुस्तक ओ कानुनके पानामे सीमित नैढैके दैनिक व्यवहारमे उटरना आजके मुख्य चुनौती ओ समाधान दुनु हो । प्रशासकके हातमे रहल कलमसे न्याय ओ सेवाके मसी छिटे सेक्लेसे किल नेपालके सार्वजनिक प्रशासनसे जनविश्वास आर्जन करे सेकल बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ शिवनगर स्थित कित्ता नं. २२०५ क्षेत्रफल १६९.३१६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री जैसरा देवी साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: ज्योतिप्रकाश खड्का — पश्चिम: सडक
उत्तर: निर्मला खड्का — दक्षिण: सिन्दु शर्मा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ हसनपुर स्थित कित्ता नं. १७ क्षेत्रफल ३६४.४ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री दिलबहादुर बोगटीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: लक्ष्मी ओझा — पश्चिम: गणेशबहादुर सिंह
उत्तर: सडक — दक्षिण: कुलो

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ राजपुर स्थित कित्ता नं. २२३ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री खडक बहादुर साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: डम्बर पाण्डेय — पश्चिम: लालबहादुर महरा
उत्तर: हेमन्ता खत्री र दिल बहादुर महरा — दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके

प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

कैलाली ओ कञ्चनपुरमे डेढ लाखसे ढेर परिवार भूमिहीन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । सरकारसे देशभरके सरकारी ओ सार्वजनिक जग्गा खाली करैना अभियान चलैले बावै । मने, सुदूरपश्चिमके दुई जिल्ला कैलाली ओ कञ्चनपुरमे भर इ अभियान कार्यान्वयन कैना ओटरा सहज डेखल नैहो ।

भूमि समस्या समाधान आयोग ओ स्थानीय तहके तथ्यांकअनुसार इ दुई जिल्लामे किल डेढ लाखसे ढेर परिवार भूमिहीन, सुकुमबासी ओ अव्यवस्थित बसोबासीके रूपमे रहल बटैं । एकओर सरकार जग्गा खाली करैना चाहटावै कलेसे औरे ओर दशकौंसे बसोबास कैटी आइल नागरिकहे कहाँ व्यवस्थापन कैन कना चुनौती स्थानीय तहहे थपल बा ।

भूमि समस्या समाधान आयोगके पाछेक तथ्यांकअनुसार कैलाली ओ कञ्चनपुरमे ऐलानी जग्गा दर्ताके लाग निवेदन डेहुइयाके संख्या ढेर रहल बा । कैलालीमे १ लाख १८ हजार ९१३ परिवारके निवेदन प्रमाणीकरण हुइल बा ।

यी मध्ये २१ हजार ५४५ परिवार पूर्ण रूपमे भूमिहीन रहल बटैं । यम्ने ७ हजार ६३९ दलित भूमिहीन ओ १३ हजार ९१४ सुकुमबासी परिवार रहल

बटैं । बाँकी परिवार अव्यवस्थित बसोबासीके श्रेणीमे रहल बटैं । ओस्टके, कञ्चनपुरमे ५८ हजार ६३५ निवेदन प्रमाणीकरण हुइल बटैं । जेम्ने २ हजार २९ दलित भूमिहीन, २ हजार ४०० सुकुमबासी ओ ५३ हजार ५०६ अव्यवस्थित बसोबासी रहल बटैं । इ दुई जिल्ला जोरेबर डेढ लाखसे ढेर परिवारके भविष्य अब्बे सरकारी कदम ओ आयोगके सुस्त कार्यके बीच अन्योलमे परल बा ।

कैलालीके भजनी नगरपालिकाके नगर प्रमुख केवल चौधरी संघीय सरकारसे चालल् सरकारी जग्गा खाली कैना कदमके सैद्धान्तिक समर्थन करठैं, मने व्यावहारिक कठिनाइप्रति उहाँ चिन्तित बटैं । ओहकान अनुसार भूमि माफियासे कब्जा करल जग्गा फिर्ता लेना स्वागतयोग्य रलेसे फेन २०–२५ बरससे बैठ्टी आइल मुक्तकमैया ओ सुकुम्बासीहे बिना विकल्प विस्थापित नैकरे सेक्ना बटैलैं ।

हम्रे जिल्ला प्रशासनमे फेन कहले बटी– भर्खर वन अतिक्रमण कैके बैठलहे उठाइ, मने जो वर्षौंसे ओहीं बैठके आपन जीविकोपार्जन करटी रहल बटैं, ओइनहे बिना विकल्प उठैना न्यायसंगत नैहुइल,' प्रमुख चौधरी कहलैं ।

भजनी नगरपालिकासे अब्बे वडा–वडामे टोली खटाके वास्तविक सुकुमबासी ओ भर्खरे जग्गा कब्जा करुइयनके पहिचानके लाग तथ्यांक संकलन करटी रहल बावै ।

कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके समस्या झन् जटिल बा । यहाँ शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय आरक्षसे विस्थापित हुइल पीडितके मुद्दा दशकौंसे ज्युँके त्युँ रहल बा । नगर प्रमुख रणबहादुर महराके अनुसार नगरपालिकासे अब्बे ७० प्रतिशतसे ढेर अव्यवस्थित बसोबासीके नापजाँच कार्य सम्पन्न करसेकल बा । मने, मुख्य समस्या जग्गाके उपलब्धता रहल बा ।

'हम्रे डाटा संकलन करटी रहल बटी, वडा ओ सामुदायिक बन्वासे फेन समन्वय हुइटी रहल बा । मने मुख्य चुनौती कहलक ओइनहे कहाँ बैठैना हो ? सुरक्षित जग्गा नैहो,' महरा कहलैं । शुक्लाफाँटामे डडेलधुराके परशुराम ओ आलिताल लगायतके ठाउँसे पहिरोके कारण विस्थापित होके आइल परिवार फेन लडिया किनार ओ बन्वा क्षेत्रमे आश्रय लेटी रहल बटैं ।

'स्थानीय तहसँग जग्गा बँट्ना अधिकार नैहो, हम्रे केवल सहजीकरण किल कैना हो । संघीय सरकारसे ठोस नीति ओ कानुन नैबनाइटसम इ समस्या समाधान हुइनाके साटो झन् बल्झना डेखजाइठ्,' उहाँ कहलैं । विगतमे भूमि आयोगसे भूमिहीन दलित ओ सकुमबासीहे आवासके लाग १ कठ्ठा ओ कृषिके लाग ५ कठ्ठासम जग्गा डेना तयारी करल रहे । अव्यवस्थित बसोबासीके हकमे १० प्रतिशतसम राजस्व लेके जग्गाधनी पुर्जा डेना कहल रहे । मने, आयोग विघटन ओ पुनर्गठनके चक्र तथा सरकारके फेरिँदो प्राथमिकताके कारण इ काम बिचमे रुकल बा ।

अब्बे एकओर स्थानीय तहसे जग्गाके नापजाँच करटी रहल बावै कलेसे औरे ओर गृह मन्त्रालयके परिपत्रसे सार्वजनिक जग्गा खाली कैना दबाब डेटी रहल बा । विकास आयोजना, डगरा ओ सार्वजनिक कार्यालयके नाउँमे रहल जग्गा खाली करे परल, मने सुकुमबासी ओ आरक्ष पीडितके नाउँमे रहल बस्तीहे मानवीय संवेदनाके आधारमे पहिले व्यवस्थापन कैके किल हटाइ परल कना स्थानीय तहके कहाइ रहल बा । सुदूरपश्चिमके प्रमुख बजार फेन ऐलानी जग्गामे रहल बावै । अत्तरिया लगायतके बजार सरकारी जग्गामे रहल ओरसे वहाँके परिवारसँग लालपुर्जा नैहो ।

अपाङ बाल अस्पताल...

नेपाल सरकार, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयसे एक सय शैया (१०० बेड) के स्वीकृत प्राप्त विशिष्ट मेरिक टिसरा तहके प्रेषण केन्दके रुपमे संचालित अस्पताल हो । ओकर प्रदेशस्तरीय शाखाके रुपमे धनगढीमे स्थापना करल हुई ।

यी संस्थाके सेवासे २०८२ पुस मसान्तसम १ लाख ३१ हजार ८०५ (बालिका जेम्ने ५२ सय जाने शारीरिक अपांगता हुइल बालबालिका तथा ओइनके अभिभावक लाभान्वित हुइल बटैं ।

शारीरिक अपांगताके कारण सहभागिता ओ सेवाके पहुँचमे कमी हुइल बालबालिकाहे उच्चकोटीक समग्र उपचार तथा पुनर्स्थापन सेवा प्रदान कैना उद्देश्य रहल उहाँ जनैलैं । केन्द्रमे शारीरिक अपांगता हुइल बालबालिकाके अविलम्ब पहिचान कैना, शारीरिक अपांगता हुइल बालबालिकाके उपचार योजना तयार ओ चिकित्सकीय सेवा प्रदान कैना उहाँ बटैलैं ।

ओस्टे पुनर्स्थापनके योजना तयार कैना, फिजियोथेरापी, अर्थोपेडिक सहायक सामग्री, कृत्रिमअंग अन्य सहायक सामग्री नापजाँच निर्माण ओ वितरण सेवासे पुनर्स्थापना कैना उहाँ बटैलैं ।

सेवाहे विकेन्द्रीकृत करके पहुँचहे समुदायस्तरमे पुगैना तथा समुदायके पुनर्स्थापन लागत घटैना उद्देश्यसे टमान ठाउँमे केन्द्र स्थापना कैटी रहल बटैलैं ।

कार्यक्रममे धनगढी उपमहानगरपालिकाके नगर उपप्रमुख कन्दकलाकुमारी राना, विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्रके बोर्ड सदस्य सरिता देवी खनालगायतसे मन्तव्य राखल रहिट ।

विकलांग मित्र समूह/अपांग बाल अस्पताल तथा पुनर्स्थापना केन्द्रसे सुदूरपश्चिम प्रदेश पुनर्स्थापना केन्द्रमे बुधके रोज शारीरिक अपांता परीक्षण घुम्टी शिविर सञ्चालन कैगिल बा ।

असन्तुलित उत्खननसे...

गोरुङ्गे क्षेत्रमे ३३७ मिटर पश्चिमओर आइल बा । गुगल अर्थके विवरण अनुसार सन् २०१५ मे गोरुङ्गेस्थित पूर्वपश्चिम राजमार्गसे कर्णाली लडिया करिब ७११ मिटरके दुरीमे रहे । सन् २०२५ सम इ लडिया राजमार्गसे करिब ३७४ मिटरके दुरीमे किल बहटी रहल बा । निकुञ्जओर उत्खनन हुइ नैसेकके औँहर बरवार बरवार टापु बनसेकल जानकी गाउँपालिकास्थित चिसापानी कर्णाली सामुदायिक वनके अध्यक्ष बिमन चौधरी बटैलैं । उहाँ कर्णाली लडिया पहिलेसे फरक होसेकल जनैटी कैलालीओर ढेर कटान करटी रहल उल्लेख करलैं ।

इ लडिया बर्खामे किल नैहोके हिउँद तथा सुक्खायाममे फेन कटान कैटी रहल बा । टीकापुर नगरपालिका–५ के शाहीपुर क्षेत्रमे अब्बे समेत लडियासे कटान करटी रहल स्थानीय बटैले बटैं ।

राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ से अधिकार प्राप्त अधिकारीसे लिखित अनुमति नैलेके कौनो फेन व्यक्तिसे राष्ट्रिय निकुञ्ज वा आरक्ष क्षेत्रसे नदीजन्य पदार्थ उत्खनन करे नैपैना व्यवस्था करल बा । ऐनके दफा ५ के उपदफा (१) च मे कहल बा, "खानी कोर्ना, ढुङ्गा निकर्ना वा कौनो खनिज पदार्थ ढुंगा, कंकड, माटी वा अन्य अस्टे पदार्थ हटाइ नैपाजाइ ।"

कर्णाली लडियाके हकमे भर उत्खनन नैहोके टापु बनके मानव–वन्यजन्तुहे असर हुइटी रहल ओरसे आवश्यकता अनुसार उत्खनन करे पर्ना ढेरके जोड रहल बा । मानव–वन्यजन्तुके लाग चिन्ताजनक रहल इ मुद्दाप्रति सरोकारवाला ध्यान डेहे नैसेकल संरक्षणकर्मी आशिष चौधरीके कहाइ रहल बा ।

बैतडीमे एक पुरुष मृत फेला

बैतडी, ३० वैशाख । बैतडीमे एक पुरुष मृत अवस्थामे फेला परल बटैं । डिलाशैनी गाउँपालिका–४ मठैराजके ४८ वर्षीय गणेशदत्त पन्त बुधके रोज घरसे करिब एक सय मिटर डुर सडकमे मृत अवस्थामे फेला परल रहैं ।

घटनाबारे अनुसन्धानके लाग धामीगाउँ प्रहरी चौकीसे टोली खटल ओ थप विवरण अइना बाँकी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक बलदेव बडू जानकारी डेलैं ।

अस्टेक, जिल्लाके पाटन नगरपालिका–१० सल्लेबासाके राजेन्द्र भट्टके घरमे मंगरके रोज बाज लागके गोठमे बाँधल एक गाई मरल ओ एक गाई घाहिल हुइल प्रहरी जनैले बा । उ घटनामे घरके विद्युतीय वायरिङसमेत क्षतिग्रस्त हुइल बा ।

बीमालेख हराएको सूचना

यहि मिति २०८३ बैशाख ११ गते धनगढीदेखि बर्दगोरिया जाने क्रममा हिमालयन लाइफ इन्स्योरेन्स लिमिटेडद्वारा साजन विकको नाममा जारी बीमालेख नम्बर ULI7120000304 हराएको हुँदा पाउनुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाई दिनहुन अनुरोध छ ।

सम्पर्क व्यक्ति: **साजन विक**
बर्दगोरिया-१, कैलाली मो.९८४८४१९४४३

बीमालेख हराएको सूचना

यहि मिति २०८३ बैशाख ७ गते धनगढीदेखि सुखड जाने क्रममा हिमालयन लाइफ इन्स्योरेन्स लिमिटेडद्वारा श्याम बमको नाममा जारी बीमालेख नम्बर GLI0910014787 हराएको हुँदा पाउनुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाई दिनहुन अनुरोध छ ।

सम्पर्क व्यक्ति: **श्याम बम**
घोडाघोडी-२, कैलाली मो.९८४८४१९४४३

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस नगरपालिकाको वडा नम्बर १ अत्तरिया स्थित कित्ता नं. १८८ क्षेत्रफल १०५६.७८ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री तबीराम डंगौरा थारुले यस नपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक | पश्चिमः दली भट्ट
उत्तरः सडक | दक्षिणः खोल्सो

गोदावरी नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, अत्तरिया, कैलाली

पिलिया कमलपित्त उपचारका लागि हामीलाई सम्झनुहोस् ।

अब पिलियाका बिरामीले ज्यान गुमाउनु पर्दैन ।

आयुर्वेदिक जडीबुटीद्वारा पिलिया, कमलपित्त, जण्डिसको उपचार गरिन्छ । साथै बिच्छीको टोकाइ, बच्चाको झालो नजर लागेको, जिब्रोमा दाना आएको लगायतको अरु पनि विभिन्न उपचारहरू आयुर्वेदिक विधिद्वारा गरिन्छ ।

नोटः अब पिलिया ७ दिनमा ठिक गरिन्छ ।

५० वर्षदेखि सेवा गर्दै आएको अनुभव ।
अमूल्य जीवन बचाउन चाहनुहुन्छ भने हामीलाई सम्पर्क गर्नुहोला ।

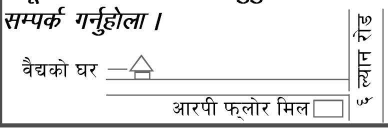

वैद्य : चन्द्रबहादुर
गोदावारी-५, गेटा, भैरव टोल
मो. ९७६६४२२८७६
९८४३७१४७८३

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्नियां, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन
धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

एकीकृत फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशके दुईठो पालिकाके एकीकृत फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालनमे आइल बावै । क्षेत्रीय सहरी विकास आयोजनाअन्तर्गत एसियाली विकास बैंक (एडीबी) के सहयोगमे कैलाली ओ कञ्चनपुर सहित तीन पालिकामे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्रके काम आघे बह्रल रहे ।

कैलालीके अत्तरीया ओ कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा नगरपालिकामे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालनमे आसेकल बावै । संघीय आयोजना कार्यान्वयन एकाइ धनगढीके प्रमुख तुलसीराम खर्वुजा कैलालीके धनगढी उप महानगरपालिकामे रहल फोहोमैला व्यवस्थापन केन्द्र शीघ्र सञ्चालनमे अइना दाबी करलै ।

टोकल समयमे निर्माण सम्पन्न हुइलेसे फेन धनगढी उप महानगरपालिका–७ पटेलामे बन्टी रहल फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्रके निर्माण निर्माण पक्षसे समयमे सम्पन्न करलेसे फेन सञ्चालनमे आइ सेकल नैहो ।

थप कैके रु एक अर्ब नौ करोड लगात अनुमान रहल उक्त व्यवस्थापन केन्द्रके 'भिओ' (भेरियसन अर्डर) प्रक्रियामे रहल ओरसे सञ्चालनमे ढिलाइ हुइ गैल हो । "भिओके लाग उप्पर निकायमे पेस करले बटी ।" संघीय आयोजना कार्यान्वयन एकाइ धनगढीके प्रमुख खर्वुजा कहलै, "फोहरमैला व्यवस्थापनके लाग आवश्यक सवारीसाधन ओ 'स्टिमेट'मे नैरहल विषयके निर्माणमे पालिकासे माग करलपाछे 'भेरियसन अर्डर' आघे बह्राइल हो ।"

धनगढीके फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्रमे ३० बरससम धनगढीके फोहर व्यवस्थापन करे सेकजैना बा । चीनके सिचुवान प्रोभिन्स जियोलोजिकल इन्जिनियरिङ कम्प्लेक्ससे ठेक्का पाके निर्माणके काम टोकल अवधीमे ओराइल हो । मने 'भिओ'के कारण निर्माण पक्षसे अब्बे काम करे पाइल नैहो ।

संघीय आयोजना कार्यान्वयन एकाइ धनगढीके अनुसार कैलालीके अत्तरियामे करिब १० महिना ओ शुक्लाफाँटा नगरपालिकामे गत भदौ महिनासे फोहरमैलला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालनमे आसेकल बावै । "तीन बरससम व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण कम्पनी अपनहे सञ्चालनकरे पर्ना रहठ्", उहाँ कहलै, "ओकरपाछे सम्बन्धित पालिकाहे हस्तान्तरण हुइठ् ।"

सुदूरपश्चिममे एडिबीसे चार पालिकामे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माणके लाग छनौट करलेसे फेन कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिकासे ओकरलाग जग्गा उपलब्ध कराइ नैसेकल । धनगढीमे २२ हेक्टर, शुक्लाफाँटामे पाँच बिघा ओ अत्तरियामे पाँच हेक्टर क्षेत्रफलमे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र बनल बावै ।

सञ्चालनमे आइल फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्रमे पुनः प्रयोग हुइना, कुहना ओ प्रयोगविहीन नैकुहना नटे बिक्री हुइना कैके तीन तरिकासे फोहर छुट्टयाके व्यवस्थापन कैटी आइल बा । शुक्लाफाँटा नगरपालिकामे फोहरमैला रु ३० करोड २५ लाख लगानीमे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण करल हो ।

शुक्लाफाँटा नगरपालिका–११ श्रीकृष्ण सामुदायिक वन क्षेत्र वनहरा खोलुवाके पश्चिम किनारमे फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालनमे आइल शुक्लाफाँटा नगरपालिका जनैले बा ।

शुक्लाफाँटा नगरपालिका कार्यालयके इन्जिनियर लोकेन्द्र भट्ट फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्रके काम प्रभावकारी रुपमे हुइटी रहल बटैलै । "सक्कु वडामे फोहर रख्ना कन्टेनर राखल बा", उहाँ कहलै, "सहरी वडामे प्रत्येक दिन फोहर संकलन कैके व्यवस्थापन केन्द्रमे लैजैना काम हुइल बा ।" फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र सञ्चालनमे आइलपाछे शुक्लाफाँटा नगरपालिका सरसफाइमे जोड डेहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

महेन्द्र राजमार्गके २५/२५ मिटर दायाँ बायाँ खाली निर्देशन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० बैशाख । महेन्द्र राजमार्ग (चिसापानी–अत्तरिया–गड्डाचौकी) सडक क्षेत्रके अतिक्रमण हटैना १५ दिने अल्टिमेटम डेहल बा ।

नेपाल सरकार सडक विभाग सडक डिभिजन महेन्द्रनगर अन्तर्गत महेन्द्र राजमार्ग (चिसापानी–अत्तरीया–गड्डाचौकी सडक खण्डके सडक सीमा सडक केन्द्रसे २५/२५ मिटर दायाँ बायाँ कायम रहल ओरसे उहीहे अतिक्रमण करके बनाइल टहरा भौतिक पूर्वधार हटैना सूचना जारी करल बा ।

उ सडक सीमाभिटर सडक विभागके स्वीकृति बिना स्थायी/अस्थायी घर टहरा निर्माण कैना, निर्माण सामग्री धरना, मालबस्तु बिक्री कैना धारल, नाली भाँठके प्रवेश मार्ग बनैना, सडक संरचना भत्कैना, ढल तथा पानी सडक किनाराके नालामे मिलैना कार्य, तथा अस्टे प्रकृतिके अन्य यातायात संचालन एवं सडक प्रयोगकर्ताहि अवरोध पुग्न कार्य कैना सार्वजनिक सडक ऐन, २०३१ से निषेध करल बा ।

उ सडक सीमा भिटर बनल स्थायी/अस्थायी घर टहरा तथा अन्य संरचना सूचना प्रकाशित हुइल मितिसे १५ दिन भिटर भत्कैना वा हटैना संघीय सडक सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन कार्यालय, सुर्खेत सडक डिभिजन महेन्द्रनगर जानकारी करैले बा । तोकल समयावधि भिटर सडक सीमा अतिक्रमण करके बनाइल संरचना नैहटैलेसे सार्वजनिक सडक ऐन २०३१ के दफा १९ के उपदफा (३) बमोजिम यी कार्यालयसे हटैना ओ उ कार्य वापत लग्ना खर्च सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्थासे असुल उपर कैना जनागिल बा ।

रक्तदान गरौं, जीवन बचाऔं ।

- रक्तदान दानमध्ये सबैभन्दा ठुलो दान अर्थात जीवन दान हो ।
- तपाई हामीले दिएको एक युनिट रगतले ३ जना सम्मको ज्यान बच्न सक्दछ ।
- हरेक स्वस्थ्य व्यक्तिले ३/३ महिनामा रक्तदान गर्न मिल्दछ ।
- १८ वर्षदेखि ६५ वर्षको उमेरसम्म रक्तदान गर्न सकिन्छ ।
- रगतको अन्य विकल्प नभएकोले रक्तदान नै एक मात्र उपाय हो ।
- रक्तदानमा कुनै धर्म र जात हुँदैन ।
- आफूले पनि रक्तदान गरौं, अरुलाई पनि रक्तदान गर्न प्रेरित गरौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय
धनगढी, कैलाली

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology

Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८३/०१/२८ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८३/०८४ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

आवेदन फाराम शुल्क: १०००।- (एक हजार मात्र)

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८३ वैशाख २९ गते मंगलबारदेखि

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८३ जेठ १३ गते बुधबारसम्म

आवेदन फाराम सम्बन्धमा : शिक्षालयमा आई आवेदन फाराम भर्न सकिन्छ र अनलाइनबाट पनि भर्ना सकिनेछ ।

क्र.सं.	संचालित कार्यक्रमहरू	सिट संख्या	खुल्लातर्फ (अन्य विविध कोटाहरूसहित)	वर्गीकृत निःशुल्क छात्रबृत्ति	मेरिट छात्रबृत्ति
१.	सामान्य चिकित्सा (HA)	४०	३६	३	१
२.	मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी CMLT	३०	२७	२	१
३.	डिप्लो इन फार्मेसी	४०	३६	३	१

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवस्यक कागजातहरू :

१. रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
२. SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
३. SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
४. चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
५. जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
६. TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
७. लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।

फोन नं. ०९१–५२१३०५/९८५८४२३५०६/९८६३८०४३५२, ९८४८५३०४५६

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

सुनौलो अवसर ! सुनौलो अवसर !! सुनौलो अवसर !!!

उत्कृष्ट स्वादका साथ **खप्तड कुञ्ज** सेकुवा सेन्टरको सेवा सञ्चालनमा ल्याई रहेको छ ।

हाम्रो यहाँ विभिन्न सेकुवाका परिकारहरू

- खसीको सेकुवा र भुटन
- बंगुरको सेकुवा
- चिकेन सेकुवा र पाङ्ग्रा
- लोकल सिंगल, डबल तडका
- लोकल कुखुराका परिकारहरू
- नास्ताका परिकारहरू
- खानाका परिकारहरू
- चिसो/तातोको व्यवस्था छ

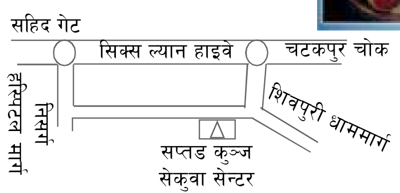

अनुभवी कालीगढबाट खाना, नास्ताका परिकार तयार पारिन्छ ।

हाम्रो सेवाको समय: विहान ८ बजेदेखि राति १० बजेसम्म सेवा सञ्चालन गरिन्छ ।
स्थान: धनगढी उपमहानगरपालिका–४ उत्तर वेहडी शहिद गेट भन्दा माथि न्यू रोड टोल

प्रो. सुरेन्द्र नाथ योगी
मो. नम्बर ९८४८६४५००१

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

- गमी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५